राज्यपाल सचिवालय
राज भवन,जयपुर

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र

पूरे प्रदेश में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हों

–राज्यपाल

जयपुर, 18 जनवरी। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र को अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दायरा बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र अपने कार्यक्रमों को उदयपुर क्षेत्र तक ही सीमित न रखें बल्कि राजस्थान के सभी जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जावे।

राज्यपाल श्री सिंह गुरूवार को यहां राजभवन में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की गवर्निंग बॉडी व एक्ज्यूकेटिव बोर्ड की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। राज्यपाल श्री सिंह को केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तकें बोहाडा एक आदिवासी जागर, रामायण इन पेन्टिंग्स ऑफ कच्छ और गोंयच्या लोकवेदाचें सौंदर्यशास्त्र की प्रतियां भेंट की गई।

राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। सांस्कृतिक उत्सवों व स्थानीय मेलों में लोगों की सहभागिता बढ़ाई जानी चाहिए व भारत की समृद्व सांस्कृतिक विरासत से लोगों को परिचित कराने के पर्याप्त प्रयास किये जाने चाहिए।

राज्यपाल श्री सिंह ने बैठक में बागोर की हवेली व शिल्पग्राम में स्थानीय व विदेशी पर्यटकों के प्रवेश टिकिट की दर बढ़ाये जाने के प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि टिकिट दर नही बढ़ाये जायें बल्कि ऐसे प्रयास किये जाये कि हमारे देश की संस्कृति को विश्व के लोग समझें। अधिक से अधिक लोग हमारे लोक कार्यक्रमों को देखने आयें। लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में टिकिट दर पर्यटकों के लिए बाधक नही बननी चाहिए।

बैठक में गोवा के कला संस्कृति मंत्री श्री गोविन्द एस गोडे, राजस्थान के कला व संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री सुबोध अग्रवाल, राज्यपाल के सचिव श्री देबाशीष पृष्टि, विशेषाधिकारी डॉ. अजय शंकर पाण्डेय व संस्कृति मंत्रालय में क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के निदेशक श्री हरीश कुमार सहित केन्द्र की गवर्निंग बॉडी व एक्ज्यूकेटिव बोर्ड के सदस्य व केन्द्र के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में केन्द्र निदेशक श्री फुरकान खान ने वर्ष भर की गतिविधियों को विस्तार से बताया और कार्यसूची को अनुमोदन क लिए प्रस्तुत किया।

———

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल